आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :334 पृष्ठ -4 दिनांक 07 दिसम्बर 2024 दिन शनिवार

यूपी में CM योगी ने मिशन-27 का एजेंडा किया सेट

हिंदुत्व की राह पर लगाएंगे जीत की हैट्रिक!

उत्तरप्रदेश यूपी में बंटेंगे तो कटेंगेके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर संभल हिंसा और बांग्लादेश का जिक्र करते हुए बाबर और डीएनए की बात कर सियासी पारा हाई कर दिया है. सीएम योगी के इस बयान को 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के एजेंडे से जोड़कर देखा जा रहा है. जिससे साफ है कि यूपी का अगला चुनाव भी सनातन और धर्म के कार्ड पर ही लड़ा जाएगा. सीएम योगी आदित्यनाथ ने 403 विधानसभा सीटों वाले यूपी को हिंदुत्व की प्रयोगशाला बनाकर हैट्रिक लगाने की कोशिश करने की तैयारी कर ली है. जिसके साथ आगामी चुनाव का एजेंडा सेट हो गया है. ऐसे में आने वाले समय में प्रदेश की सियासत और गर्मा सकती है. इसे लेकर पक्ष और विपक्ष में जोरदार टक्कर देखने को मिल सकती है. सीएम योगी ने सेट किया हिन्दुत्व का एजेंडा मुख्यमंत्री गुरुवार को अयोध्या पहुंचे थे, जहां उन्होंने रामकथा पार्क में रामायण मेले का उद्घाटन किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि याद करो 500 साल पहले बाबर के आदमी ने अयोध्या कुंभ में क्या किया था. संभल में भी यही हुआ और बांग्लादेश में भी वहीं हो रहा है. इन तीनों घटनाओं की प्रकृति और उसमें शामिल लोगों का डीएनए एक ही है. सीएम योगी ने इस बयान के जरिए हिन्दू वोटों को एकजुट रहने का संकेत दिया और साफ कर दिया कि वो बहुसंख्यक हिंदुओं के सहारे ही चुनावी रण में उतरेंगे. बीजेपी जहां आने वाले चुनाव में धर्म कार्ड के सहारे आगे बढ़ने की कोशिश कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के पास च्व। यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का कार्ड है. लेकिन, यहां भी मुस्लिम वोटों को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच खींचतान शुरू हो गई है. दोनों दल एक-दूसरे को मुस्लिमों का

सबसे बड़ा हितैषी दिखाने में जुटी हैं. इसकी एक झलक हाल ही में संभल को लेकर देखने को मिली जब सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने संभल के बहाने कांग्रेस पर हमला बोला तो 4 दिसंबर को राहुल-प्रियंका संभल के लिए निकल गए.समाजवादी पार्टी ये हरगिज नहीं चाहती कि संभल और अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर कोई और बाजी मार ले जाए. जिससे 2027 के लिए उनकी राह मुश्किल हो जाए. ऐसे में अखिलेश यादव अल्पसंख्यकों के साथ-साथ च्व। में शामिल एक और दलित वर्ग को भी आगे बढ़ा रहे हैं. जाहिर है कि यूपी में 2027 की लड़ाई धर्म वर्सेज च्व। के खेमे में बंटी नजर आ रही है.

लोकसभा में बिछड़ी अखिलेश यादव और अवधेश प्रसाद की जोड़ी

दिल्ली में संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है और बजट सत्र में जो विपक्ष एकजुट होकर सरकार को घेर रहा था, वो 6 महीने के भीतर ही सीट को लेकर आपस में बंट गया. हुआ ये कि नई संसद में सांसदों के बैठने के लिए सीटों का बंटवारा हुआ है. पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ वाली सीट पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और उनके सांसद अवधेश प्रसाद बैठा करते थे. लेकिन सीट बंटवारे में अवधेश प्रसाद की सीट पीछे चली गई है और अखिलेश राहुल से दूर हो गये हैं. इस सीट बंटवारे ने गठबंधन में फूट डाल दी है.बता दें कि लोकसभा में संसद की सदस्यता की शपथ लेने के लिए अवधेश प्रसाद का नाम जब पुकारा गया तब वो अखिलेश यादव की बगल में बैठे थे और वहां से उठकर उन्होंने सदस्यता की शपथ ली. इसके बाद से अवधेश प्रसाद विपक्ष के सांसदों की पहली लाइन में ही बैठ रहे थे. अखिलेश यादव अपने बगल में अवधेश प्रसाद को बिठाकर सरकार पर अयोध्या की हार के संदेश का मना. वैज्ञानिक दबाव भी बना रहे थे.हालांकि अब 6 महीने बाद कहानी में ट्विस्ट आया है. विपक्षी सांसदों का सीटिंग अरजमेंट बदल गया है, अखिलेश यादव जिन अवधेश प्रसाद को ट्रॉफी बनाकर घूम रहे थे उनकी सीट पीछे चली गई है, अब वो अखिलेश की जगह डिंपल के बगल में सीट नंबर 357 पर बैठ रहे हैं. अखिलेश यादव की सीट भी छठे ब्लॉक में पहुंच गई है. सीट नंबर 355 पर बैठ रहे हैं.सीट नंबर 498 पर बैठ रहे हैं राहुल गांधीवहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अब भी आठवें ब्लॉक में सीट नंबर 498 पर बैठ रहे हैं. मतलब संसद में राहुल और अखिलेश की सीटों की दूरी बढ़ गई है. सीटों की अदला बदली 3 तारीख को ही हो चुकी है. सूत्र बता रहे हैं कि अखिलेश इस व्यवस्था से नाराज हैं और नाराजगी इसकी बात की है कि कांग्रेस ने इसकी जानकारी उन्हें नहीं दी.अखिलेश ने फ्रंट रो की सीट मांगी. थीप्रमुख विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस के पास जिम्मेदारी थी कि वो अपने सहयोगी दल से बात कर स्पीकर को सीट आवंटन की जानकारी दें. सूत्रों के मुताबिक समाजवादी पार्टी की मांग से उलट उनको एक सीट ही पहली पंक्ति यानी फ्रंट रो में दी गई है. जबकि सभा. जवादी पार्टी ने अखिलेश यादव और अवधेश प्रसाद दो लोगों के लिए फ्रंट रो की सीट मांगी थी. सूत्रों के मुताबिक अखिलेश की नाखुशी की वजह यही है कि उनको वक्त रहते कांग्रेस के नेताओं के जानकारी नहीं दी. वरना मुमकिन है की सीट बंटवारे से पहले इस मुद्दे को सुलझा लिया जाता. अखिलेश यादव ने स्पीकर से मुलाकात करक अपनी बात रखी है.गठबंधन में सब कुछ सामान्य नहींनई संसद में पहली बार सीटों का बंटवारा हुआ है. संख्या के हिसाब से सांसदों को आगे की सीट मिलती है, इसलिए सीटों को लेकर सवाल उठ रहे हैं. लेकिन जिस तरह से समाजवादी पार्टी ने सवाल उठाये हैं वो इस बात के संकेत देते हैं कि गठबंधन में सब कुछ सामान्य नहीं है.क्या है संसद में बैठने की व्यवस्था लोकसभा में जो सीटिंग अरजमेंट है उसके मुताबिक कुल 8 ब्लॉक हैं और 12 रो हैं. पहली पंक्ति में 20 सीटें हैं, सीटों का नंबर पहले ब्लॉक से शुरू होता है. सीट नंबर 1 पर पीएम बैठते हैं, पीएम के ठीक सामने 8वें ब्लॉक में नेता विपक्ष की कुर्सी है, 498 नंबर की सीट राहुल गांधी के लिए है, राहुल के बगल में केसी वेणुगोपाल और डीएमके से टीआर बालू हैं. नई सीटिंग व्यवस्था के हिसाब से इंडिया गठबंधन को फ्रंट रो में 7 सीटें दी गई हैं

यूपी में कांग्रेस हाईकमान ने कर दी अजय राय के मन की मुराद पूरी

उत्तरप्रदेश भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने गुरुवार रात पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई को भंग कर दिया. पार्टी महासचिव और सांसद केसी वेणुगोपाल द्वारा हस्ताक्षरित एक प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी दी गई कि कांग्रेस अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश कमेटी, जिला, शहर एवं ब्लाक कमेटी को तत्काल प्रभाव से भंग करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है. कांग्रेस हाईकमान के इस निर्णय को साल 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की आ. वरहॉलिंग से जोड़कर देखा जा रहा है. अजय राय ने साल 2023 के अगस्त में यूपी कांग्रेस केअध्यक्ष का पद संभाला था. कमान संभालने के बाद से वो लगातार पूरी नई कार्यकारिणी की मांग कर रहे थे.हालांकि साल 2024 के लो. कसभा चुनाव के मद्देनजर पूरी कमेटी की ओवरहॉलिंग नहीं हो पाई थी. अब 2024 के नतीजे सबके सामने हैं और कांग्रेस को वर्ष 2027 के यूपी चुनाव के लिए नए सिरे से अपनी बिसात बिछानी है.सभी जिलों का दौरा कर चुके हैं राय यूपी कांग्रेस अध्यक्ष सभी 75 जिलों के दौरे कर चुके हैं और अब वह उन जिलों से ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को जोड़ने की कवायद में लगे हैं. इसी कड़ी में पुरानी कार्यकारिणी बनाकर नई कार्यकारिणी बनाई जाएगी जिसमें नए और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को जगह दी जाएगी जो 2027 के रण के लिए अभी से पूरी तरीके से तैयार हो जाएं. लोकसभा चुनाव में 6 सीटें जीतने के बाद उत्सा. हित कांग्रेस ने विधानसभा की 9 सीटों पर उपचुनाव नहीं लड़ा. ऐसे में कांग्रेस अब 2027 के लिए नई रणनीति बनाने के क्रम में अहम फैसले ले सकती है. अगर छक्| गठबंधन के तहत चुनाव होता है तो कांग्रेस पार्टी की कोशिश है कि वह लगभग डेढ़ सौ सीटों पर चुनाव लड़े और इस लिहाज से भी यह कार्यकारिणी बनाई जाएगी. जिन सीटों पर कांग्रेस पार्टी खुद को मजबूत मानती है वहां से ऐसे लोगों को कार्यकारिणी में जगह दी जाए जो 2027 का के चुनाव में फतह करने में अहम जिम्मेदारी निभा सकें.

10 फीट तक सोने से मढ़ा होगा राम मंदिर का शिखर

उत्तरप्रदेश अयोध्या के राम मंदिर के शिखर का 10 फीट का हिस्सा सोने से मढ़ा हुआ होगा। निर्माण समिति के अध्यक्ष ने बताया कि मंदिर का निर्माण 15 मार्च तक पूरा हो जाएगा।राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक के दूसरे दिन नृपेंद्र मिश्र शुक्रवार को निर्माण कार्यों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने इससे पहले बताया कि निर्माण कार्यों की प्रगति संतोषजनक है। मजदूरों की संख्या बढ़ी है लेकिन अपेक्षाकृत अभी मजदूरों की कमी है।पहली प्राथमिकता मंदिर निर्माण पूरा करना है, जो 15 मार्च तक पूरा हो जाएगा। उसी के साथ सप्त मंदिरों का भी काम पूरा किया जा रहा है। प्रयास है कि मार्च तक परकोटा का तीन चौथाई काम पूरा हो जाए।उन्होंने बताया कि लोअर प्लिंथ में 500 फीट लंबाई में आर्ट वर्क पूरा हो गया है। पत्थरों पर रामकथा के प्रसंग उकेरे जा रहे हैं। तीर्थयात्री सुविधा केंद्र, फायर स्टेशन और वॉटर प्लाट आदि जो परियोजना है। कोशिश है कि उसे जनवरी तक ट्रस्ट को हैंड ओवर कर दिया जाए। राम मंदिर का शिखर 10 फीट तक शीर्ष पर सोने से मंडित होगा।

मुस्लिम पक्ष ने मस्जिद के दस्तावेज में लगाया छेड़छाड़ का आरोप

उत्तरकाशी में छह दशक पुरानी एक मस्जिद के भूमि रिकॉर्ड को लेकर विवाद गहराता जा रहा है. हिंदू संगठनों द्वारा हाल ही में आयोजित 'हिंदू महापंचायत' और मस्जिद की वैधता को लेकर उठाए गए सवालों के बाद अल्पसंख्यक समुदाय ने मस्जिद की जमीन के रिकॉर्ड में छेड़छाड़ की आशंका जताई है. उत्तरक. ाशी जिले में स्थित इस मस्जिद को हिंदू संगठनों ने 'अवैध' बताते हुए इसके खिलाफ आपत्ति जताई थी. इसके बाद जिला प्रशासन ने कथित अतिक्रमण की जांच के लिए एक समिति का गठन किया. इस समिति का नेतृत्व भटवाड़ी के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) मुकेश रमोला कर रहे हैं. समिति का उद्देश्य मस्जिद की जमीन के रिकॉर्ड की सत्यता की जांच करना है.24 नवंबर को समिति ने मस्जिद के भूमि मालिकों को नोटिस जारी कर उनके दस्तावेजों की प्रामाणिकता पर सवाल उठाया. नोटिस में कहा गया कि दस्तावेज नकली हो सकते हैं. इसके जवाब में मस्जिद के पक्ष ने 26 नवंबर को भूमि पंजीकरण से संबंधित दस्तावेज प्रशासन को सौंप दिए. एसडीएम मुकेश रमोला ने बताया कि समिति जल्द ही मस्जिद के भूमि रिकॉर्ड की जांच पूरी करेगी. जब इन दस्तावेजों की सत्यता स्पष्ट हो जाएगी, तो स्थिति साफ हो जाएगी. समिति अपनी रिपोर्ट जिला अधिकारी को सौंपेगी, जिसके बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी. रिकॉर्ड में छेड़छाड़ की जा सकती है मस्जिद के भूमि रिकॉर्ड की जांच को लेकर अल्पसंख्यक समुदाय ने चिंता व्यक्त की है. उनका आरोप है कि प्रशासन द्वारा मस्जिद की जमीन के रिकॉर्ड में छेड़छाड़ की जा सकती है. समुदाय के लोगों का कहना है कि मस्जिद छह दशकों से अस्तित्व में है और इस पर विवाद पैदा करना न केवल धार्मिक सौहार्द्र को प्रभावित करता है,

बल्कि उनकी आस्था पर भी चोट पहुंच. ाता है.यह विवाद तब शुरू हुआ जब हिंदू संगठनों ने हाल ही में एक महापंचायत आयोजित की, जिसमें मस्जिद को अवैध बताते हुए इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई. महापंचायत के बाद प्रशासन ने इस मुद्दे पर कार्रवाई तेज कर दी और मस्जिद के भूमि रिकॉर्ड की जांच शुरू कर दीसभी पक्षों की नजरें जांच रिपोर्ट परयह मामला क्षेत्र में संवे. दनशील बन गया है. एक तरफ प्रशासन जांच के जरिए स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसे धार्मिक असमानता और उनके अधिकारों पर हमला बता रहा है.इस विवाद पर प्रशासन की जांच रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी. समिति की जांच रिपोर्ट जिला अधिकारी को सौंपी जाएगी, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी. स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि वे मामले को निष्पक्ष रूप से हल करने की कोशिश कर रहे हैं. इस विवाद ने न केवल स्थानीय प्रशासन को सतर्क कर दिया है, बल्कि यह क्षेत्र में सामुदायिक सौहार्द्र बनाए रखने की चुनौती भी पेश कर रहा है. सभी पक्षों की नजरें अब जांच रिपोर्ट और प्रशासन के निर्णय पर टिकी हुई हैं.

सीएम योगी ने गुरु तेग बहादुर को दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को गुरु तेग बहादुर के शहादत दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कहा कि गुरु तेग बहादुर ने कभी भी देश और धर्म से हटकर के किसी विदेशी आक्रांता के सामने सिर नहीं झुकाया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहियागंज गुरुद्वारा में गुरु परंपरा के नवम् गुरु श्री तेग बहादुर जी महाराज के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सीएम योगी ने उनके बलिदान और स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि सिख पंथ के अनुयायियों ने अपनी साधना और सामर्थ्य से अपने कौम के साथ-साथ पूरे देश को और पूरे सनातन धर्म को न केवल सुरक्षा प्रदान की बल्कि एक लंबे समय के लिए उन्हें अभय भी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने उस समय कश्मीर को बचाया था जब वहां के सनातन धर्मावलंबियों को विदेशी आक्रांताओं द्वारा धर्म परिवर्तन करने का आदेश मिला था।सीएम योगी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने कश्मीरी पंडितों को एक नया जीवन दिया था। धर्म परिवर्तन के आदेश के बाद सुरक्षा के लिए भटक रहे कश्मीरी पंडितों को न सिर्फ नया जीवन दिया था बल्कि उनसे कहा था कि अत्याचारियों से कह दो कि पहले हमारे गुरु को इस्लाम स्वीकार कराओ। सीएम योगी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने हमेशा देश और धर्म को प्राथमि. कता दी और किसी विदेशी आक्रांता के सामने सिर नहीं झुकाया। गुरु नानक देव ने बाबर के अत्याचारों के खिलाफ उठाई आवाज सीएम योगी ने कहा कि वह कैसा कालखंड रहा होगा जब एक विदेशी आक्रांता बाबर देश के अंदर अत्याचार कर रहा था, उसके खिलाफ गुरु नानक देव जी ने आवाज उठाई थी। सीएम ने कहा कि इतिहास के उन पन्नों को कौन नहीं जानता है जब भक्ति की इस परंपरा से ऊपर उठकर उन्होंने समय के साथ तात्कालिक समाज को एक नई दिशा देने का काम किया था। वहां से चलकर हम शहादत और बलिदान की एक सुदृढ़ नियम को आगे बढ़ाते हुए गुरु गोविंद सिंह महाराज तक पहुंचे। वह शक्ति का एक दिव्य पुंज बन करके न केवल सनातन धर्म की रक्षा के लिए बल्कि भारत की रक्षा के लिए अपने आपको बलिदान करने से पीछे नहीं हटे।

फिल्म निर्माण व तकनीक को एक साथ लाने को लेकर सरकार गंभीर

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े घुमंतू फिल्मोत्सव जागरण फिल्म फेस्टिवल का गुरुवार को शुभारंभ करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश में फिल्म निर्माण और तकनीक को एक साथ लाने को लेकर सरकार गंभीर है।

इस दिशा में काम शुरू कर दिया गया है। इसके लिए आइआइटी, आइआइएम, आइआइआइटी की तर्ज पर इंडियन इंस्टीट्यूट आफ क्रिएटिव टेक्नोलाजीज (आइआइसीटी) की स्थापना की जाएगी. ।इसके जरिये फिल्म निर्माण के लिए तकनीकी रूप से दक्ष युवा तैयार किए जाएंगे। राजधानी के सिरी फोर्ट आडिटोरियम में चार दिन तक चलने वाले जागरण फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में वैष्णव ने कहा, हमारे पास प्रतिभा है और हमारी विरासत व संस्कृति बहुत समृद्ध है।यह विविधता रचनात्मकता से जुड़ी एक बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का बड़ा अवसर देती है। इसे देखते हुए हम तकनीक, संस्कृति, विरासत और फिल्म निर्माण को एकसाथ लाने के लिए प्रयासरत हैं। ऐसा होने पर सुपरहिट फिल्म आरआरआर और ताजा रिलीज फिल्म पुष्पा–2 या पुरानी फिल्म द लायन किंग का 70 प्रतिशत हिस्सा भारत में बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजना फिल्म निर्माण तकनीक को बढ़ावा देने की है। इसके लिए देशभर में कई आइआइसीटी बनाए जाएंगे और कई शिक्षण संस्थानों में इसके सेंटर बनाए जाएंगे। इससे देश में अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।दर्शकों के पास चार दिन तक दुनियाभर की बेहतरीन फिल्में देखने का अवसर है। जागरण फिल्म फेस्टिवल के इस संस्करण का कंट्री फोकस पार्टनर वियतनाम है। फेस्टिवल में वियतनाम की कई कलात्मक फिल्मों का भी प्रदर्शन होगा। फिल्म फेस्टिवल का दिल्ली में आयोजन होने के बाद अगला पड़ाव

प्रयागराज और वाराणसी होगा। उसके बाद रायपुर, रांची, इंदौर, लखनऊ, कानपुर, सिलीगुड़ी, आगरा, मेरठ, गोरखपुर, पटना, लुधियाना, दे. हरादून, हिसार और दरभंगा होते हुए मार्च के पहले सप्ताह में मुंबई में समापन होगा। यहां फिल्म फेस्टिवल के साथ–साथ अवार्ड नाइट का भी आयोजन होगा।आठ दिसंबर तक दुनियाभर की बेहतरीन फिल्में देखने का मौकादर्शकों के पास चार दिन तक दुनियाभर की बेहतरीन फिल्में देखने का अवसर है। जागरण फिल्म फेस्टिवल के इस संस्करण का कंट्री फोकस पार्टनर वियतनाम है। फेस्टिवल में वियतनाम की कई कलात्मक फिल्मों का भी प्रदर्शन होगा। फिल्म फेस्टिवल का दिल्ली में आयोजन होने के बाद अगला पड़ाव प्रयागराज और वाराणसी होगा। उसके बाद रायपुर, रांची, इंदौर, लखनऊ, कानपुर, सिलीगुड़ी, आगरा, मेरठ, गोरखपुर, पटना, लुधियाना, देहरादून, हिसार और दरभंगा होते हुए मार्च के पहले सप्ताह में मुंबई में समापन होगा। यहां फिल्म फेस्टिवल के साथ–साथ अवार्ड नाइट का भी आयोजन होगा।

आगरा में कनाडा की पर्यटक के साथ धोखाधड़ी, 2700 डॉलर का रूबी जेम्स स्टोन निकला नकली

आगरा में महिला पर्यटक के साथ धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया है. महिला पर्यटक ने एक एंपोरियम पर नकली रूबी स्टोन बेचने का आरोप लगाया है. महिला पर्यटक ने पर्यटन पुलिस से ईमेल और व्हाट्सएप के जरिए शिकायत की है. महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि 2700 डॉलर में रूबी स्टोन खरीदा जो नकली निकला अब उसे वापस नहीं किया जा रहा है.भारतीय करेंसी के हिसाब से यह रकम करिए 2 लाख 30 हजार रुपए है. रूबी स्टोन खरीदने में धोखाधड़ी का आरोप महिला पर्यटक की ओर से लगाया गया है. महिला पर्यटक की शिकायत पर पर्यटन पुलिस और ताज सुरक्षा पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है. यह मामला नवंबर महीने का है. महिला पर्यटक ने आरोप लगाया है कि एक एंपोरियम से उन्होंने जेम्स रूबी स्टोन खरीदा जिसकी कीमत 2700 डॉलर थी. रूबी खरीदने वाली महिला पर्यटक ने जब रूबी स्टोन की जांच कराई तो वह रूबी स्टोन नकली निकला. जिस पर महिला पर्यटक ने एंपोरियम से रूबी स्टोन को वापस लेने के लिए कहा लेकिन स्टोन वापस नहीं हुआ, जिसके बाद महिला पर्यटक ने आगरा पर्यटक पुलिस को ईमेल और व्हाट्सएप के जरिए नामजद शिकायत की है. महिला पर्यटक की शिकायत पर

पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है और कहा है कि अगर आरोप सही पाए जाते हैं तो नियम अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी.कनाडा महिला की शिकायत पर मामला दर्जकनाडा की महिला पर्यटक के साथ धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है. एक एंपोरियम पर महिला पर्यटक ने आरोप लगाया है उस एंपोरियम की जांच की जा रही है और अगर महिला पर्यटक के आरोप सही पाए गए तो कड़ी कार्रवाई होगी. इस पूरे मामले पर एसीपी ताज सुरक्षा सैयद अरीब अहमद ने बताया कि कनाडा की महिला पर्यटक की शिकायत मिली है, उनका कहना है कि उन्होंने एक एंपोरियम डीलर से यूबी स्टोन खरीदा जो सही नहीं पाया गया, उसे वापस नहीं किया जा रहा है, जबकि डीलर से रूबी स्टोन खरीदा था. ताजगंज क्षेत्र के एक डीलर ने रूबी के बदले 2700 डॉलर रख लिए है, मामले की जांच कराई जा रही है. अगर आरोप सही पाए जाते हैं तो कड़ी कार्यवाही होगी.

दिल्ली के प्रशांत विहार इलाके में लाखों की लूट की वारदात का पुलिस ने किया खुलासा, पांच आरोपी गिरफ्तार

दिल्ली के प्रशांत विहार इलाके में 4 दिसंबर को हुई एक लूट की वारदात को पुलिस ने 12 घंटे में सुलझाने का दावा किया है. पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है और लूट की रकम में से करीब 20 लाख रुपये भी बरामद कर लिए हैं.दरअसल 4 दिसंबर को ये मामला उस समय सामने आया जब रवि कुमार शाह नाम का एक शख्स जो ई–कॉमर्स कंपनियों के लिए कैश कलेक्शन का काम करता था और कैश को बैंक में जमा करवाता था उसके साथ लूट की सनसनीखेज वारदात हुई. रवि ने 6–7 स्टोर्स से पैसे कलेक्ट किए और वो बैंक में जमा करने जा रहा था. तभी रास्ते में तीन–चार लड़कों ने उसे रोककर उसका गला घोंटकर 22 लाख रुपये लूट लिए. इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को मिली.पुलिस ने वारदात के तुरंत बाद जांच शुरू की और जांच में ये सामने आया कि आरोपियों को रवि की मूवमेंट की जानकारी थी. वे पहले से ही उसकी रेकी कर चुके थे और ये जानते थे कि रवि के पास बड़ी रकम होती है. पुलिस ने गंभीरता से इस मामले की जांच की. तफ्तीश के दौरान ये पता चला कि

आरोपियों में से कुछ स्थानीय डिलीवरी बॉयज हैं. पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार से आरोपियों को ट्रैक किया और महज 6–7 घंटे में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. बाद में पुलिस ने बाकी आरोपियों को भी पकड़ लिया और लूट की रकम में से करीब 20 लाख रुपये बरामद कर लिए.इसके अलावा लूट के दौरान इस्तेमाल की गई तीन मोटरसाइकिल भी पुलिस ने बरामद की. पुलिस जांच में ये बात सामने आई कि आरोपी ई–कॉमर्स कंपनियों के लिए काम कर चुके थे और उन्हें रवि के कैश कलेक्शन और रूट की पूरी जानकारी थी. गिरफ्तार आरोपियों के नाम ऋतिक, नवल, आफताब, विकास और संजय सिसोदिया है.पूछताछ के दौरानआरोपियों ने खुलासा किया कि आफताब और विकास को रवि के कैश कलेक्शन के पैटर्न की पूरी जानकारी थी. उन्होंने नवल और ऋतिक को जानकारी दी, जिन्होंने संजय को शामिल कर वारदात को अंजाम देने की प्लानिंग की. वारदात से पहले तीन दिनों तक रवि की गतिविधियों पर नजर रखी गई और 4 तारीख को वारदात को अंजाम दे डाला. फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है.

बांग्लादेश कोर्ट ने शेख हसीना के हेट स्पीच के प्रसारण को किया बैन

बांग्लादेश की एक ट्रिब्यूनल ने को अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के हेट स्पीच के प्रसारण पर बैन लगा दिया. अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर अगस्त क्रांति के दौरान प्रदर्शनकारियों की हत्या का आरोप है. जिसके कारण उन्हें देश छोड़ना पड़ गया.बांग्लादेश का अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ICT शेख हसीना के खिलाफ सामूहिक हत्या सहित कई अन्य आरोपों की जांच कर रहा है, जो हसीना पर अगस्त संघर्ष के दौरान हुए थे. जिसके बाद उन्हें देश छोड़कर पड़ोसी देश भारत भागने के लिए मजबूर होना पड़ा था.अभियोजक ने हसीना के भाषणों पर बैन लगाने पर क्या कहा?अभियोजक गोलम मोनावर हुसैन तामिम ने पत्रकारों से कहा, ष्शेख हसीना वर्तमान में कई मामलों में आरोपित हैं, जिनकी ट्रिब्यूनल की ओर से जांच की जा रही है.ष उन्होंने आगे कहा, ष्हमने उनकी हेट स्पीच के प्रसारण पर बैन लगाने की मांग की है, क्योंकि इससे कानूनी प्रक्रिया में रुकावट आ सकती है या गवाहों और पीड़ितों को डराया जा सकता है.ष्उन्होंने कहा, 'यह पुष्टि करते हुए कि ICT ने इस प्रतिबंध को लागू करने पर सहमति दी है.' अभियोजक ने आगे कहा, यदि उनके भाषणों का प्रसारण जारी रहता है, तो ट्रिब्यूनल में गवाहों को लाना मुश्किल हो जाएगा.षेख हसीना के संबोधन के बाद आया ट्रिब्यूनल का आदेशबांग्लादेश ट्रिब्यूनल का यह आदेश न्यूयार्क में आयोजित अवामी लीग के कार्यकर्ताओं के कार्यक्रम में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के दिए वर्चुअल संबोधन देने के कुछ दिन बाद आया है. जिसमें शेख हसीना ने अपने संबोधन में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख नेता मुहम्मद युनूस पर सामूहिक हत्या का आरोप लगाया था.शेख हसीना के तख्तापलट से पहले मारे गए थे सैकड़ों लोगबांग्लादेश में शेख हसीना अपदस्थ होने से कुछ हफ्तों पहले सैकड़ों लोग मारे गए थे. जिनमें से अधिकांश की मौत पुलिस की गोलीबारी के कारण हुई थी. वहीं, उनकी सत्ता के गिरने के बाद कई और लोगों की मौत हुई. जिसमें ज्यादातर उनके अवामी लीग पार्टी के प्रमुख समर्थक थे.ICT को शेख हसीना ने किया था स्थापित2010 में बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पाकिस्तान के खिलाफ देश के 1971 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हुई क्रूरता की जांच के लिए प्ब्ज को स्थापित किया था. इसके बाद कई वर्षों में ICT ने कई प्रमुख राजनीतिक विपक्षी नेताओं को मृत्युदंड दिया है.अदालत पर नियमित रूप से लगे है आरोप इस अदालत पर नियमित रूप से उचित ट्रायल के मानकों को पूरा न करने और शेख हसीना के ओर से अपने प्रतिद्वंद्वियों को समाप्त करने के एक साधन के रूप में देखने का आरोप लगता आया है.अंतरिम सरकार ने हसीना के प्रत्यर्पण की भारत से की मांगमुहम्मद युनूस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत से प्रत्यर्पण की मांग की है ताकि उन्हें ट्रिब्यूनल की ओर से उनका परीक्षण किया जा सके.

10 महीने के इंतजार के बाद आज दिल्ली कूच करेंगे किसान,हाई अलर्ट पर पुलिस, धारा 163 लागू

पंजाब के शंभू बॉर्डर पर पिछले 10 महीने से डेरा डाले बैठे किसान संगठन 'दिल्ली कूच' करने के लिए तैयार हैं. किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि 101 किसानों का एक जत्था शुक्रवार (6 दिसंबर) को दोपहर एक बजे शंभू बॉर्डर विरोध स्थल से दिल्ली के लिए कूच शुरू करेगा. जत्था दिल्ली की ओर मार्च करेगा. सरकार क्या करेगी, यह उसे सोचना है.शंभू बॉर्डर पर मीडिया सम्मेलन में पंढेर ने कहा, ष्हम दोपहर एक बजे शंभू बॉर्डर से दिल्ली की ओर कूच करेंगे. अगर अब भी सरकार उन्हें मार्च निकालने से रोकती है तो यह उनके लिए नैतिक जीत होगी. केंद्र और राज्यों में उनके नेता नियमित रूप से कहते रहे हैं कि अगर किसान ट्रैक्टर–ट्रॉली नहीं लाते हैं, तो कोई आ. पत्ति नहीं होनी चाहिए. इसलिए अगर हम पैदल दिल्ली जाते हैं, तो किसानों को रोकने का कोई कारण नहीं होना चाहिए.ष्वहीं पंढेर ने मीडिया से कहा, ष्यह पंजाब–हरियाणा सीमा की तरह नहीं दिखता है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र की तरह लग रहा है. अगर उनका बस चले तो वे यहां से एक चिड़िया को भी गुजरने की इजाजत नहीं देंगे. वे हमारे साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे हम किसी दुश्मन देश के नागरिक हैं, जबकि हम इस भूमि के नागरिक हैं जो अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्वक राष्ट्रीय राजधानी तक मार्च करना चाहते हैं. शंभू बॉर्डर से निकलने वाले पहले जत्थे में 101 किसान शामिल होंगे जो शंभू बॉर्डर से पैदल दिल्ली की ओर मार्च करेंगे.ष्संयुक्त किसान मोर्चा (गैर रा. जनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसानों ने अपनी मांगों के समर्थन में इससे पहले पैदल दिल्ली कूच करने की घोषणा की थी. उनकी मांगों में फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कई अन्य मांग शामिल हैं. सुरक्षा बलों द्वारा दिल्ली की ओर मार्च रोके जाने के बाद वे 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी बॉर्डर पर डेरा डाले हुए हैं. किसानों की दिल्ली मार्च करने की योजना को लेकर अंबाला में पुलिस ने भी गुरुवार को अलर्ट जारी किया और वहां सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को सीमा पर भेजा. हरियाणा सीमा पर बहुस्तरीय बै. रिकेडिंग किए जाने के अलावा केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को भी तैनात किया गया है. अंबाला जिला प्रशासन ने बुधवार को किसानों से मार्च पर पुनर्विचार करने और दिल्ली पुलिस से अनुमति लेने के बाद ही कोई कार्रवाई करने का आग्रह कियाबीएनएसएस की धारा 163 को लागू करते हुए अंबाला के उपायुक्त और जिला मजिस्ट्रेट ने 30 नवंबर के एक आदेश में पांच या अधिक व्यक्तियों की गैरकानूनी सभा और पैदल, वाहनों या किसी अन्य माध्यम से जुलूस निकालने पर रोक लगा दी. आदेश में कहा गया कि, ऐसी आशंका है कि बड़ी संख्या में प्रदर्शनक. ारी पंजाब और हरियाणा से आएंगे और दिल्ली की ओर बढ़ने के लिए शंभू बॉर्डर पर इकट्ठा होंगे. धारा 163 लागू इसलिए बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा जारी करने समेत सीमा बिंदुओं पर और जिले में उचित कदम उठाए जाने की जरूरत है ताकि पूर्व अनुमति के बिना ऐसे किसी भी व्यक्ति की आवाजाही की अनुमति न दी जा सके. आदेश में कहा गया कि यह आदेश 30 नवंबर से लागू है और अगले आदेश तक जारी रहेगा. जानकारी मिली है कि आंदोलनकारी संसद का घेराव कर सकते हैं या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की ओर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थायी रूप से डेरा डाल सकते हैं. आंदोलनकारियों ने हरियाणा पुलिस अधिनियम की धारा 69 के तहत कोई अनुमति नहीं ली है. गुरुवार को अंबाला में मीडिया से बात करते हुए पुलिस अधीक्षक सुरिंदर सिंह भोरिया ने सभी किसानों से शांति बनाए रखने और दिल्ली मार्च करने की अनुमति लेने की अपील की. उन्होंने कहा, मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि जिला पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए हैं. जब भोरिया को बताया गया कि किसान नेताओं ने कहा है कि उनमें से 101 शांतिपूर्ण तरीके से दिल्ली तक मार्च करेंगे, तो उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने आपको बताया है, कानून का पालन करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है. कानून के जो भी प्रावधान हों, उनका पालन किया जाना चाहिए.

अंबाला जिला प्रशासन अलर्ट हालांकि, अंबाला जिला प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत एक आदेश जारी किया है, जिसमें जिले में पांच या अधिक व्यक्तियों की किसी भी गैरकानूनी सभा पर रोक है. उपायुक्त की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, अगले आदेश तक पैदल, वाहन या अन्य साधनों से कोई भी जुलूस निकालने पर रोक लगा दी गई है.

छतरपुर में छात्र ने प्रिंसिपल को सिर में मारी गोली, सरकारी स्कूल के बाथरूम में दिया घटना को अंजाम

छतरपुर में एक छात्र ने प्रिंसिपल की सिर में गोली मार कर उनकी हत्या कर दी. यह मामला धमोरा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की है. छात्र ने बाथरूम में जाकर सिर में गोली मार दी थी. घटनास्थल पर ही प्रिंसिपल की मौत हो गई.

छह महीने तक सरकारी कर्मचारियों के हड़ताल करने पर रोक, जारी किया गया आदेश

सरकारी कर्मचारियों के अगले छह महीने तक हड़ताल करने पर रोक लगा दी गई है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है ।यूपी में सरकारी कर्मचारी व सरकारी सेवाओं से जुड़े कर्मचारी अगले छह महीनों तक हड़ताल नहीं कर सकेंगे। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है ।यह आदेश उत्तर प्रदेश अत्यावश्यक सेवाओं के अनुरक्षण अधिनियम, 1966 की धारा तीन की उपधारा के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके जारी किया गया है ।आदेश में कहा गया है कि यूपी सरकार से जुड़ी किसी भी सेवा, सरकार के नियंत्रण और स्वामित्व से जुड़ी सेवाओं से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी आगामी छह महीने तक किसी भी तरह से हड़ताल नहीं कर सकेंगे। आदेश में कहा गया है कि यह निर्णय लोकहित में लिया गया है।

खेलते समय गुब्बारा फटने से मासूम बच्चे की . मौत, गले में बैलून की रबर फंसने से हादसा

लखनऊ के ठाकुरगंज क्षेत्र में बुधवार को उस वक्त एक परिवार के लोग परेशान हो गए, जब उनके परिवार का ढाई साल का बेटा जो बाहर खेल रहा था. उसके हाथ से गुब्बारा फूटकर गले में जा फंसा, जिससे उसको सांस लेने में दिक्कत होने लगी. देखते ही देखते ही देखते बच्चे की आंख पलट गई. बच्चे को बेचैन होता देख परिवारजन पास के निजी अस्पताल में उसे ले गए, जहां डॉक्टर ने उसकी हालत गंभीर बताई. जिसके बाद परिवारजनों उसे ट्रामा सेंटर ले गए . ट्रामा सेंटर में जब डॉक्टरों ने बच्चे को देखा तो उसे मृत घोषित कर दिया.आपको बता दें कि ठाकुरगंज के दौलतगंज के काशी विहार फूलमती मंदिर के पास विनय गुप्ता का ढाई साल का बेटा शिवांश बुधवार की दोपहर घर के बाहर खेल रहा था . इसी दौरान उसे कहीं से एक गुब्बारा मिल गया और वह उस गुब्बारे से खेलने लगा. खेलते खेलते वह गुब्बारा अचानक से फूट गया और उसकी रबर शिवांश के मुंह में चली गई जिससे उसको सांस लेने में काफी दिक्कत होने लगी और वह बेचैन होकर गिर पड़ा, उसकी आंखें पलट गई. डॉक्टरों ने बच्चे को किया मृत घोषित. बच्चों की हालत खराब देख परिवारजनों से आनन–फानन में एक निजी अस्पताल में ले गए पर डॉक्टर ने वहां उसे ट्रामा सेंटर ले जाने की सलाह दी . जिसके बाद परिवार के लोग उसे लेकर भागते हुए ट्रामा सेंटर पहुंचे. डॉक्टर ने जब शिवांश को देखा और उसकी जांच की तो डॉक्टर ने बच्चों को मृत पाया. इसके बाद डॉक्टर ने बच्चों को गलत घोषित कर दिया. शिवांश के पिता विनय गुप्ता कैटरर्स है . विनय गुप्ता का दूसरा बेटा 4 माह का है. बेटे की मौत के बाद से परिवार में शोक का मौहोल है.

राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय 15 दिसंबर के बाद होंगी परीक्षाएं, तैयारियां शुरू

अलीगढ़ राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध अलीगढ़, एटा, कासगंज और हाथरस में 340 से ज्यादा महाविद्यालय हैं। स्नातक और परा. स्नातक के विषम सेमेस्टर के मुख्य व बैक परीक्षा फॉर्म भरे जा रहे हैं। उसके बाद परीक्षा होंगी। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (आरएमपीएसयू) के स्नातक और परास्नातक के विषम सेमे. स्टर की परीक्षाएं 15 दिसंबर के बाद होंगी। मुख्य व बैक परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 7 दिसंबर तक निर्धारित की गई है। वहीं, विषम सेमेस्टर के बैक

परीक्षा फॉर्म वेबसाइट पर भरने में दिक्कतें आ रही हैं।विवि से संबद्ध अलीगढ़, एटा, कासगंज और हाथरस में 340 से ज्यादा महाविद्यालय हैं।इन महाविद्यालयों में स्नातक व परास्नातक के विषम सेमे. स्टर की मुख्य और बैक परीक्षा 15 दिसंबर के बाद होगी। परीक्षा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। परीक्षा नियंत्रक अजय कृष्ण यादव ने बताया कि फॉर्म भरने में आ रही दिक्कतें दूर हो जाएंगी। परीक्षा सत्र–2024–25 के विषम सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा व बैक परीक्षा फॉर्म 7 दि. संबर तक भरे जाएंगे। परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 8 दिसंबर है।

मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत ने दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण एवं उद्यान गोष्ठी का किया शुभारंभ

विभागीय अधिकारियों ने शासकीय योजनाओं के साथ ही आय के विकल्पों की दी जानकारी

अलीगढ़ उद्यान विभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन जवाहर पार्क में किया गया। गोष्ठी में विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने, सेहतमंद रहने के लिए श्री अन्न उपजाएं और उपयोग में भी लाएं। मोटे अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा बहुत अधिक होती है। शारिरिक एवं मानसिक विकास के लिए अपनी थाली में मोटे अनाज को सम्मिलित करें। अच्छी उपज के लिए पड़ोसी के दिमाग से नही बल्कि स्वविवेक से काम लेते हुए सन्तुलित मात्रा में उर्वरक का प्रयोग करें। विशेषज्ञों ने बताया कि खेती का तरीका बदलने से किस्मत कैसे बदल सकती है। उपनिदेशक उद्यान डॉ0 बलजीत सिंह एवं डीएचओ शिवानी तौमर ने जिला पंचायत अध्यक्ष को बुके भेंट कर सम्मानित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा किसानों की आय को दोग. ुनी करने के लिए परंपरागत खेती के साथ ही मत्स्य पालन, पशुपालन एवं औद्यानिक क्षेत्र में योजनाओं का संचालन कर उनको सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने किसान बन्धुओं से आह्वान किया कि वह कृषि क्षेत्र में विशेषज्ञों द्वारा बताई गई विधियों को अपनाकर उच्च गुणवत्ता वाली उपज पैदा करें ताकि आपको उसका बढ़ा हुआ मूल्य प्राप्त हो सके।उप निदेशक उद्यान डॉ0 बलजीत सिंह ने बताया कि किस किस प्रकार से उद्यान विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान परम्परागत खेती के साथ फल, फूल, शाक भाजी उगाकर अपनी आर्थिक उन्नति कर सकते हैं। पशुपालन और मत्स्य पालन के क्षेत्र में सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की अनुदानित योजनाएं संचालित हैं, किसान बन्धु इनका लाभ उठाएं। उन्होंने विभिन्न प्रकार की यूनिट स्थापना और सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए खाद्य प्रसंस्करण एवं फल संरक्षण की विभिन्न योजनाओं के साथ ही सोलर एनर्जी के बारे में विस्तार

से बताया। सहायक निदेशक मत्स्य प्रियंका आर्या ने बताया कि किसान जीवन भर मिट्टी और पानी से जुड़ा रहता है। जलीय कृषि के माध्यम से भी आप किसानी कर सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के साथ ही अनुसूचित जाति के परिवारों को मिलने वाली सब्सिडी के बारे में बताया। महिलाओं के संचालित सघन मत्स्य पालन ऐरियेशन सिस्टम योजना के तहत 60 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है।कृषि वैज्ञानिक डॉ0 ए0एच0 वारसी ने कम लागत में अधिक और गुणवत्तापूर्ण आलू उत्पादन, जैविक और प्राकृतिक खेती और डॉ0 विश्वजीत ने टिश्यू कल्चर से केला उत्पादन करने के संबन्ध में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण गोष्ठी में अन्य वै. ज्ञानिक डा0 अशरफ खान द्वारा भी खेती–किसानी के बारे में किसान–बन्धुओं को सरल भाषा में समझाया गया। एसडीओ प्रभारी कोल राजाराम, राकेश कुमार, विनय कुमार, रवेन्द्र सिंह समेत संबंधित अधिकारी व कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में महिला व पुरूष किसान उप. स्थित रहे।

नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक संगठन द्वारा आज दिनांक 6 दिसंबर 2024 को 62वां स्थापना दिवस

नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक संगठन द्वारा आज दिनांक 6 दिसंबर 2024 को 62वां स्थापना दिवस उप नियंत्रक श्री मुनेश कुमार गुप्ता महोदय एवं वरिष्ठ सहायक उप नियंत्रक श्रीमती संगीता त्रिपाठी महोदया के निर्देशन में समय प्रातः 10:00 बजे अलीगढ़ विकास भवन प्रांगण में मुख्य विकास अधिकारी श्री प्रखर कुमार सिंह महोदय एवं अपर जिलाधिकारी (नगर) श्री अमित कुमार भट्ट महोदय एवं जिला विकास अधिकारी श्री आलोक आर्य महोदय तथा प्रभारी निरीक्षक नागरिक सुरक्षा अलीगढ़ श्री सी.पी सिंह महोदय एवं योगेन्द्र सिंह के द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ ध्वजारोहण कार्यक्रम किया गया ध्वजारोहण में सिविल डिफेंस की समस्त टीम के जवान उपस्थिति रहे । ध्वजारोहण उपरान्त राष्ट्रगान कर मुख्य विकास अधिकारी

महोदय के द्वारा नागरिक सुरक्षा के समस्त निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सु. निश्चित करने हेतु शपथ भी दिलाई गई।

547 व्यावसायिक वाहन स्वामियों ने जमा किया 158.34 लाख रूपये का बकाया टैक्स

अलीगढ़ 06 दिसंबर 2024 लम्बे समय से व्यावसायिक वाहनों का टैक्स बकाया होने पर इस पर लगने वाली पेनाल्टी की रकम अधिक हो गई है, इससे वाहन स्वामी टैक्स जमा करने में कन्नी काट रहे थे। वाहन स्वामियों को मासिक, छमाही एवं वार्षिक अवधि के माध्यम से टैक्स जमा करना होता है, परन्तु बड़ी संख्या में व्यावसायिक वाहनों के टैक्स जमा न होने से शासन को राजस्व की हानि होने के साथ–साथ वाहन स्वामियों पर भी कई प्रकार का दवाब भी था। प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त व्यावसायिक वाहनों पर ब्याज में 100 प्रतिशत छूट का लाभ देते हुए अलीगढ़ संभाग में 05 दिसंबर तक 158.34 लाख रूपये की धनराशि जमा की गई है।आरटीओ दीपक कुमार शाह ने बताया कि ऐसे व्यावसायिक वाहन स्वामी जिनके द्वारा टैक्स जमा न करने पर पेनाल्टी की राशि अधिक हो गई है, उनकी पेनाल्टी को प्रदेश सरकार ने 100 प्रतिशत माफ करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि 06 नवंबर से शुरू हुई योजना का व्यावसायिक वाहन स्वामी भरपूर लाभ उठा रहे हैं। अलीगढ़ संभाग में 01 नवंबर 2024 तक 29167 व्यावसायिक वाहनों पर 10253.4 लाख रूपये टैक्स के रूप में बकाया है। प्रदेश सरकार द्वारा लोकलुभावन योजना के आते ही 850 व्यावसायिक वाहन स्वामियों ने छूट का लाभ उठाने के लिए आवेदन किया जिसके सापेक्ष 05 दिसंबर तक 547 प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 158.34 लाख रूपये की बकाया धनराशि जमा की गई।समय से बकाया चुकाने की अपील आरटीओ दीपक शाह ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित एकमुश्त समाधान योजना का लाभ परिवहन विभाग के माध्यम से 05 फरवरी 2025 तक प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने व्यावसायिक वाहन स्वामियों से अपील करते हुए कहा कि अपने वाहनों का बकाया टैक्स अदा करने पर जुर्माने में 100 प्रतिशत छूट प्राप्त कर सकते हैं।

छात्रा से छेड़खानी, एसिड अटैक की धमकी, रिपोर्ट दर्ज

थाना देहली गेट क्षेत्र के एक मोहल्ले में मनचलों ने छात्रा से छेड़खानी कर दी। उसे बाइक पर उठाकर ले जाने की को. शिश की। विरोध पर एसिड अटैक की धमकी दे डाली। घटना के बाद से छात्रा दहशत में है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी युवती ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि वह शहर के एक कॉलेज से बीएससी तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रही है। कॉलेज आते–जाते समय सारसौल निवासी एक युवक अश्लील टिप्पणी करता है। एक नवंबर को गली के बाहर युवक अपने दो साथियों को लेकर आ गया। हाथ पकड़कर रास्ते से खींच लिया और छेड़खानी शुरू कर दी। एसिड अटैक करने की धमकी दी।सीओ प्रथम अभय पांडे ने बताया कि आरोपी शिवम चौधरी निवासी भाईजी नगर सारसौल समेत तीन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

डीईओ द्वारा 07 दिसंबर को वेयरहाउस का किया जाएगा त्रैमासिक निरीक्षण

अलीगढ़ 71–खैर विधानसभा उप निर्वाचन–2024 की मतगणना उपरान्त भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वीवीपैट कम्पार्टमेन्ट से थर्मल पेपर एवं एड्रेस टैग को हटाने के लिए वीवीपैट वेयरहाउस 04 दिसंबर को आपकी उपस्थिति में खोले जाने के उपरान्त उक्त कार्य पूर्ण कराकर संबंधित प्रभारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारियों द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में त्रि–मासिक निरीक्षण के उपरान्त 07 दिसंबर को वेयरहाउस दोपहर 12 बजे बन्द किया जाना है।सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार शर्मा ने उक्त जानकारी देते हुए सभी राजनैतिक दलों के अध्यक्ष से अनुरोध किया है कि 07 दिसंबर को निर्धारित समय व स्थान पर वेयरहाउस के त्रि–मासिक निरीक्षण एवं वेयरहाउस बन्द किये जाते समय आप स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि को उपस्थित होने के लिए निर्देशित करने का कष्ट करें।

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने अधिकारियों गणमान्य व्यक्तियों, उद्योगपतियों और सभी जनपदवासियों से की सैनिकों के .कल्याणार्थ दान करने की अपील

अलीगढ़ जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, विंग कमाण्डर जितेन्द्र कुमार चौहान ने 07 दिसंबर को आयोजित होने वाले सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के लिए जिले के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, गणमान्य व्यक्तियों, उद्योगपतियों और जन. पदवासियों से अधिक से अधिक आर्थिक योगदान करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि 1949 से 07 दिसम्बर को पूरे देश में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के रूप में शहीदों और वर्दी धारियों, जिन्होंने देश के सम्मान की रक्षा के लिए हमारी सीमाओं पर बहादुरी से लड़ाई लड़ी, के सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि विजय हासिल करने के दौरान, हमारे सशस्त्र बलों ने बहुमूल्य जीवन खोया है, और खो रहे हैं और साथ ही कुछ दिव्यांग होकर सेना से रिटायर हो रहे हैं। परिवार के मुखिया के निधन पर परिवार को जो सदमा लगता है, उसकी थाह पाना मुश्किल है। हमारे सैनिक जो दिव्यांग हैं उन्हें देखभाल और पुनर्वास की आवश्यकता है ताकि वे अपने परिवार पर बोझ न बनें, अपितु सम्मान का जीवन व्यतीत कर सकें। इसके अलावा, ऐसे भूतपूर्व सैनिक हैं जो गम्भीर बीमारियों जैसे कैंसर, हृदय रोग और ज्वाइंट रिप्लेसमेंट से पीड़ित हैं और जो इलाज का उच्च खर्च वहन करने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए उन्हें भी हमारी देखभाल और समर्थन की जरूरत है। झण्डा दिवस हमारे दिव्यांग साथियों, विधवाओं और देश के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वालों के आश्रितों की देखभाल करने के हमारे दायित्व को दर्शाता है। इस दिन थल सेना, नौसेना और वायु सेना के जवानों द्वारा दी गयी सेवाओं को याद किया जाता है। यह हमारे देश के प्रत्येक नागरिक का सामूहिक कर्तव्य है कि वह हमारे वीर शहीदों और दिव्यांग सैनिकों के अश्रितों के पुनर्वास और कल्याण को सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का आयोजन कर हम देश के परमवीर, बलिदानी, त्यागी एवं शौर्य का परिचय देते हुए शहीद सैनिकों, जिन्होंने राष्ट्र को अपने त्याग और बलिदान से गौरवान्वित किया है, उन वीर जवानों के प्रति हम कृतज्ञता व्यक्त करते हैं और अपने जवानों तथा उनके अश्रितों की देखभाल और समर्थन के लिए इस सुअवसर पर नागरिकों से यथा शक्ति धन संग्रह का पुण्य कार्य करते हैं।उन्होंने जनपद के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, नागरिकों व उद्योगपतियों से विशेष अनुरोध किया है कि इस पुनीत दिवस को पूरे उत्साह के साथ मनायें और यथाशक्ति योगदान करें। संग्रहित धनराशि का चौक या ड्राफ्ट जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, अलीगढ के नाम से जारी करायें। जिला, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी अलीगढ के सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के खाता संख्या–86202200001321 आईएफएससी कोड–CNRB0018620 केनरा बैक, जिला पंचायत, अलीगढ (उ0प्र0) में नेफ्ट के माध्यम से भी जमा कराई जा सकती है। दान की गयी धनराशि की प्राप्ति रसीद जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय अलीगढ से अवश्य ही प्राप्त कर लें।

रक्तदान शिविर का आयोजन एच डी एफ सी बैंक पर

सत्यमन मानव सेवा संस्था के तत्वाधान में एच डी एफ सी बैंक, मसूदाबाद पर रक्तदान शिविर सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। देहदान कर्तव्य संस्था के सदस्य भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक के अनुसार उद्घाटन देह दान कर्तव्य संस्था के अध्यक्ष डॉ एस के गौड़ द्वारा दीप प्रज्वलन कर हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि इस मानवीय कदम को उठाने से पहले हमें विचारणा चाहिए कि क्यूँ करें?एक यूनिट (लगभग 350 एम एल)रक्त दान करने से दानी स्वयं लाभान्वित होता है। क्योंकि उसे आत्म संतुष्टि मिलती है कि मैं चार विषम जरूरत मदों का परिस्थितियों में सहयोगी बना। जैसे कि नाली में रुके पानी से बदबू लगातार प्रभाव से समाप्त हो जाती है। ऐसे ही रक्तदान करने से नई रक्त सेल बनने से रोग से लड़ने की क्षमता (इम्यूननिटी) बढ़ने से स्वस्थ रहता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को साल में एक–दो बार तो जरूर ही करना चाहिए।

संस्था अध्यक्ष रक्त वीर (200 से अधिक बार)अजय सिंह ने कहा कि बैंक के अधिकारियों व कर्मचारियों को पूरा हार्दिक सहयोग मिला। ऐसे हीमानवीयता हेतु शिविर लगते रहना चाहिए। बैंक मै. नेजर ने संस्था का आभार व्यक्त करते हुए सभी रक्त दानियों को साधुवाद कहा। उन्होंने एम एस हॉस्पिटल की टीम का हार्दिक आभार व्यक्त किया।25 यूनिट एकत्रित हुआ। विजय कुमार, मुदित माहेश्वरी, अजय राणा, अनुज तिवारी, धरमेश गुप्ता प्रेम कुमार, सौरभ कुमार शर्मा, भूपेंद्र, सिद्धांत राघव, रजत पाठक,रुच्व अग्रवाल, श्याम कुमार दुबे, मयंक उपाध्याय,अभिषेक शुक्ला अक्षय चौधरी, मुहम्मद नदीम,वैभव चौहान, नागेंद्र सिंह आदि सहयोगी बने।

सोने-चांदी के दाम ने खूब मचाई हलचल

दिसंबर के वेडिंग सीजन में रेट चढ़ेंगे या घटेंगे

रू सोने और चांदी के दाम में दिन भर उतार चढ़ाव देखा गया और सोने कीमत उछाल की तरफ ही दिखी. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में गोल्ड और सिल्वर के रेट में मजबूती देखी जा रही है जिसके चलते घरेलू दामों पर भी असर पड़ा है. देश में सोने के दाम सर्राफा बाजार एसोसिशन के मुताबिक 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना शाम को 76453 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर गए हैं. वहीं 22 कैरेट वाला सोना शाम को 76147 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर दिखाई दे रहा है.

देश में चल रहा शादियों का सीजन

देश में इस समय शादियों का सीजन चल रहा है और इस वेडिंग सीजन में नवंबर–दिसंबर में करीब 48 लाख शादियों के होने का अनुमान है. वेडिंग सीजन में भारत में सोने की मांग बढ़ ही जाती है और इसके बाद सोने के दाम भी बढ़ते हैं और चांदी की कीमत में भी उछाल देखा जाता है. वहीं अंतर्राष्ट्रीय बाजार के आधार पर देखें तो अगर अमे. रिकी डॉलर में नरमी आती है तो दिसंबर में सोने की कीमतों में उछाल आ सकता है. रॉयटर्स पर एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी डॉलर में मौसमी कमजोरी के कारण सोने की कीमतें शॉर्ट टर्म में 2700 डॉलर प्रति औंस तक बढ़ सकती हैं जबकि सोने के दाम दिसंबर में ऐतिहासिक रूप से कमजोर प्रदर्शन करते हैं. हालांकि मीडियम टर्म में सोने की कीमतों में और ज्यादा सुधार मुमकिन है.डब्‍ पर कैसी रही सोने और चांदी की कीमतेंसोने का फरवरी वायदा 154 रुपये या 0.20 फीसदी की बढ़त के साथ 76630 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर था. वहीं एमसीएक्स पर ही सोने का भाव 376 रुपये या 0.41 फीसदी की मजबूती के साथ 92,800 रुपये प्रति किलोग्राम पर दिखाई दे रही है. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के दाम में मजबूती ग्लोबल बाजार में कॉमैक्स पर सोना और चांदी के दाम मजबूती पर हैं और इसमें गोल्ड के फरवरी फ्यूचर्स के रेट 10.96 डॉलर की बढ़त के साथ 2659.21 डॉलर प्रति औंस के रेट पर हैं. वहीं कॉमैक्स पर चांदी 0.60 फीसदी की तेजी के साथ 31.72 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही

आरबीआई पॉलिसी के दिन हल्की गिरावट पर बंद बाजार

आरबीआई की क्रेडिट पॉलिसी के पहले और बाद में बाजार में आजउतार–चढ़ाव देखा गया. आज के सत्र में बाजार में सधा हुआ कारोबार देखा गया. ऑटा. मोबाइल सेक्टर में खासी हलचल रही और एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस शेयरों में भी उठापटक बनी रही. गिरने वाले और चढ़ने वाले शेयरों को देखें तो 1694 शेयरों में तेजी रही और 1127 शेयरों में गिरावट देखी गई है.किन स्तरों पर हुई बाजार की क्लोजिंगबीएसई का सेंसेक्स 56.74 अंक गिरकर 81,709.12 के लेवल पर क्लोज हुआ है और एनएसई का निफ्टी आज 30.60 अंकों की गिरावट के साथ 24,677 पर क्लोज हुआ है.

सेक्टोरल इंडेक्स का कैसा रहा हालआरबीआई की क्रेडिट पॉलिसी के आने के तुरंत बाद बैंक शेयर जरूर मजबूती पर दिखे थे लेकिन बाजार बंद होते समय ये लाल निशान में फिसल गया था. बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक जैसे शेयरों में आज तेजी रही लेकिन बैंि. कंग शेयरों में कुल मिलाकर मायूसी ही छाई रही. बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, आईटी, मीडिया, फार्मा, हेल्थकेयर इंडेक्स और रियल्टी सेक्टर में गिरावट देखी गई और ये मार्केट क्लोजिंग के समय कम. जोरी के साथ दिखाई दिए. सेंसेक्स के शेयरों का क्या रहा हासेंसेक्स के 30 में से 14 शेयरों में मजबूती के साथ कारोबार बंद हुआ और यहां टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, एलएंडटी, आईटीसी और टाटा स्टील इसमें टॉप गेनर्स रहे हैं. सेंसेक्स के गिरने वाले शेयरों की संख्या 16 रही और इसमें अडानी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट रही है.ठैम् के मार्केट कै. पिटलाइजेशन को जानें

ठैम् के मार्केट कैपिटलाइजेशन को देखें तो ये 459.23 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है. इसमें 4088 शेयरों में कारोबार बंद हुआ जिसमें से 2399 शेयरों में उछाल पर ट्रेड क्लोज हुआ जबकि 1590 शेयरों में गिरावट देखी गई है. 410 शेयर अपर सर्किट पर बंद हुए जबकि 191 शेयरों में लोअर सर्किट रहा

मारुति सुजुकी ने बढ़ा दिए कार के दाम

देश की नंबर वन कार कंपनी मारुति सुजुकी ने अपने ग्राहकों को झटका दे दिया है. मारुति ने जनवरी 2025 से कार के दाम बढ़ाने का ऐलान कर दिया है. जनवरी 2025 से मारुति सुजुकी ने अपनी कारों की कीमत में 4 फीसदी का इजाफा कर दिया है. मारुति सुजुकी ने स्टॉक एक्सचेंज को इस बात की आधिकारिक जानकारी दे दी है.मारुति के शेयर भागेइस खबर के आते ही मारुति के शेयरों में जमकर उछाल देखा गया है और ये सीधा 11,270 रुपये प्रति शेयर पर आ गया है. मारुति सुजुकी के शेयरों में 105.85 रुपये या करीब एक फीसदी का उछाल देखा जा रहा है और इसका मार्केट कैप सीधा 3.54 लाख करोड़ रुपये तक आ गया है. कंपनी ने कीमत बढ़ाने का क्या कारण बतायाबढ़ती इनपुट लागत और ऑपरेशनल कॉस्ट के मद्देनजर, कंपनी ने जनवरी 2025 के आखिर से अपनी कारों की कीमतों में बढ़ोतरी करने की योजना बनाई है.

कीमत में 4 फीसदी तक की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है और यह मॉडल के आधार पर अलग–अलग होगी. कंपनी ने हालांकि ये भी कहा है कि लगातार लागत को ऑप्टमाइज करने और अपने ग्राहकों पर पड़ने वाले असर को कम करने की कोशिश करती है, लेकिन बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा बाजार पर डालने की जरूरत हो सकती है जिसके कारण ये फैसला लिया गया ह का आज का ताजा फैसला भी डाल सकता है असर रिजर्व बैंक ने आज बैंकों के लिए कैश रिजर्व रेश्यो को घटा दिया है और इसे 4.5 फीसदी से घटाकर 4 फीसदी कर दिया है. इसके चल ते बैंकों के पास अतिरिक्त कैश रहेगा जिससे वो ज्यादा धनराशि से लैस होंगे और ज्यादा लोन दे पाएंगे. होम लोन–कार लोन आदि के लिए बैंकों के पास ज्यादा पूंजी रहेगी और इसका असर कारों के लोन लेने वालों पर भी पड़ेगा जिससे ऑटो लोन की संख्या बढ़ेगी और मारुति सुजुकी को भी इसका फायदा मिल सकेगा.

आरबीआई ने लघु वित्त बैंकों को यूपीआई के जरिए ऋण देने की अनुमति दी

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को छोटे वित्तीय बैंकों को यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (न्च्प्) के माध्यम से पूर्व–स्वीकृत क्रेडिट लाइन की पेशकश करने की अनुमति दे दी। इससे पहले, केवल अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को ही प्रमुख भुगतान प्लेटफॉर्म पर पूर्व–स्वीकृत क्रेडिट लाइन की पेशकश करने की अनुमति थी। आइए इस बारे में और जानें।भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) ने शुक्रवार को छोटे वित्तीय बैंकों को यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस के माध्यम से पूर्व–स्वीकृत क्रेडिट लाइन की पेशकश करने की अनुमति दे दी। इससे पहले, केवल अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को ही प्रमुख भुगतान प्लेटफॉर्म पर पूर्व–स्वीकृत क्रेडिट लाइन की पेशकश करने की अनुमति थी। मौद्रिक नीति में प्रमुख ब्याज दर को अपरिवर्तित रखने, लेकिन बैंकों के लिए अनिवार्य नकद आरक्षित अनुपात में कटौती करने के बाद आरबीआई ने कहा,इससे वित्तीय समावेशन और अधिक गहरा होगा और औपचारिक ऋण में वृद्धि होगी, विशेष रूप से श्नए ऋणश ग्राहकों के लिए। सितंबर 2023 में, यूपीआई के दायरे का विस्तार किया गया, जिससे पूर्व–स्वीकृत क्रेडिट लाइनों को प्लेटफॉर्म के माध्यम से जोड़ा जा सकेगा और भुगतान बैंकों, लघु वित्त बैंकों (एसएफबी) और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर वाणिज्यिक बैंकों द्वारा फंडिंग खाते के रूप में उपयोग किया जा सकेगा।यूपीआई क्रेडिट लाइन का उद्देश्य व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों को पूर्व–स्वीकृत क्रेडिट लाइन प्राप्त करने में सक्षम बनाना है, जिसका उपयोग भुगतान प्लेटफॉर्म के माध्यम से लेनदेन के लिए तुरंत किया जा सकता है। यह क्रेडिट लाइनों, ओवरड्राफ्ट और खुदरा ऋणों की उपलब्धता और सहज उपयोग की सुविधा प्रदान करता है, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलता है। एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, सिटी यूनियन बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडियन बैंक, कर्नाटक बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और तमिलएंड मर्केंटाइल बैंक यूपीआई पर पूर्व–स्वीकृत क्रेडिट लाइनें प्रदान करते हैं। आरबीआई ने कहा, ष्यूपीआई पर क्रेडिट लाइन में श्नए–क्रेडिटश ग्राहकों के लिए कम–टिकट, कम–अवधि के उत्पाद उपलब्ध कराने की क्षमता है।ष उन्होंने कहा कि एसएफबी अंतिम ग्राहक तक पहुंचने के लिए उच्च तकनीक, कम लागत वाले मॉडल का लाभ उठाते हैं और यूपीआई पर क्रेडिट की पहुंच का विस्तार करने में सक्षम भूमिका निभा सकते हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट का सिल. सिला थमा, 1.51 अरब डॉलर बढ़कर 658. 091 अरब डॉलर हुआ आंकड़ा

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 29 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान 1.51 अरब डॉलर बढ़कर 658.091 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 29 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.061 अरब डॉलर बढ़कर 568.852 अरब डॉलर हो गईं। आरबीआई के ताजा आंकड़ों में और क्या है, आइए जानें।भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 29 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान 1.51 अरब डॉलर बढ़कर 658.091 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में कुल भंडार 1.31 बिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 656. 582 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया था। हाल के दिनों में इसमें गिरावट का रुख देखा गया है और पिछले सप्ताह में इसमें रिकॉर्ड 17.761 बिलियन अमेरिकी डॉलर की गिरावट आई थी।सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704. 885 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 29 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.061 अरब डॉलर बढ़कर 568.852 अरब डॉलर हो गईं।डॉलर के संदर्भ में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर–अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने कहा कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 595 अरब डॉलर घटकर 66.979 अरब डॉलर रह गयाशीर्ष बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 22 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 18.007 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गए। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के पास भारत की आरक्षित स्थिति भी 22 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 4.254 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।

डिजिटल लोन के चक्कर में कहीं लेने के देने न पड़ जाय

आपको पैसे की जरूरत है. बैंक शाखाओं से पर्सनल लोन लेने के चक्कर में हफ्ते लग सकते हैं. ऐसे में आपका काम भी खराब हो सकता है. फिर क्या करें? तुरंत किसी डिजिटल फाइनेंस कंपनी के विज्ञापन पर आपकी नजर पड़ती है. वहां जल्द लोन का आवेदन मंजूर कर लिया जाता है. बस आप ऐप डाउनलोड करते हैं, थोड़ी सी केवाईसी औपचारिकताएं भरते हैं. एक–दो कॉल आते हैं. आपसे कुछ जानकारी ली जाती है. फिर कुछ ही घंटों में लोन फाइनल हो जाता है और इसके कुछ ही देर बाद रकम आपके खाते में चली आती है. यह है ऑनलाइन पर्सनल लोन कंपनियों का चमत्कार.कहीं भारी न पड़ जाय ऑनलाइन लोन का चमत्कारकुछ ही घंटों में आपको ऑनलाइन पर्सनल लोन तो मिल गया, पर यह चमत्कार कहीं आप पर भारी न पड़ जाय. क्योंकि, जल्दी में पर्सनल लोन लेने के चक्कर में आपके खाते से बैंक शाखाओं से काफी अधिक ऊंची दर पर ब्याज कटेगा. इसकी भरपाई भी आपको ही करनी होगी. अगर इस प्रक्रिया में थोड़ी सी लापरवाही हुई तो प्यार भरे बोल सुनाकर जल्दी में लोन देने वाली ऑनलाइन कंपनी इतनी रुखाई से पेश आएगी कि आप कांप जाएंगे. हो सकता है कि आप कर्ज जाल में फंस जाएं और आपसे वसूली के लिए रिकवरी एजेंट आपके घर पहुंचकर बदतमीजी करने लगे. ऐसा भी हो सकता है कि आप लंबी कानूनी कार्रवाई के जाल में फंस जाएं.बैंक के पर्सनल लोन में क्या है दिक्कतअब यह सवाल उठना लाजिमी है कि बैंक जब कम ब्याज पर पर्सनल लोन देते हैं तो लोग ऑनलाइन कंपनियों के झांसे में क्यों आते हैं. इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि बैंक लोन देने से पहले क्रेडिट हिस्ट्री या सिबिल स्कोर चेक करते हैं. ये खराब होने पर लोन देने से मना भी कर देते हैं. ऐसे में लोगों के पास कोई चारा नहीं होता है. फिर कई तरह के दस्तावेज भी बैंक मांगते हैं. सबकुछ ठीकठाक रहने पर भी पर्सनल लोन देने में हफ्तों लग जाते हैं. इसलिए लोग ऑनलाइन पर्सनल लोन की आसान राह अपनाते हैं. अगर बैंक अपनी प्रक्रिया को थोड़ा आसान और तेज कर दें तो पारंपरिक पर्सनल लोन ऑनलाइन पर्सनल लोन की तुलना में बेहतर विकल्प है.

महंगाई सर्दियों में भी सब्जियों के भाव कम नहीं हो रहे, लोग परेशान

खुदरा सब्जी विक्रेता कह रहे हैं कि शादियों का सीजन होने से बड़े कारोबारी सीधे जरूरतमंद लोगों को सब्जियां बेच रहे हैं। इसका असर छोटे सब्जी विक्रेता और आम लोगों पर पड़ रहा है। इसके अलावा पैदावार कम होने से भी सब्जियां महंगी मिल रही हैं।सर्दी का मौसम शुरू होने के साथ ही हरी सब्जियां सस्ती होने लगती हैं, लेकिन इस बार इनके भाव कम होने की बजाय बढ़ गए हैं। गोभी, पालक, भिंडी, टमाटर, गाजर, प्याज और अन्य सब्जियों की कीमतों में गिरावट नहीं आ रही है। बीते कुछ दिनों में अधिकतर हरी सब्जियां 10 से 20 रुपये किलो तक महंगी हो गई हैं। टमाटर और प्याज 60 रुपये किलो तक बिक रहे हैं।खुदरा सब्जी विक्रेता इसके पीछे बड़े कारोबारियों की जमाखोरी को कारण बता रहे हैं। उनका कहना है कि शादियों का सीजन होने से बड़े कारोबारी सीधे जरूरतमंद लोगों को सब्जियां बेच रहे हैं। इसका असर छोटे सब्जी विक्रेता और आम लोगों पर पड़ रहा है। इसके अलावा पैदावार कम होने से भी सब्जियां महंगी मिल रही हैं।इस बार हरी सब्जियों की पैदावार कम हुई है। कम मात्रा में सब्जी मंडी तक पहुंच रही है। बड़े कारोबारी सब्जियों को सीधे लोगों को बेच रहे हैं। जिससे कीमतें बढ़ी हैं।–फौरन सिंह, सब्जी विक्रेता धनीपुर मंडी मौसमी सब्जियों के आने के बाद भी दाम कम नहीं हो रहे हैं। हम सीधे मंडी या किसान से सब्जी खरीदते हैं। इस समय पर हर जगह सब्जी महंगी मिल रही है। ठंड में सब्जियां जल्दी खराब नहीं होती हैं। इससे कई लोग साप्ताहिक बाजार से सब्जियां इकट्ठा खरीद लेते हैं।

आवश्यकता है

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है। सम्पर्क करें – अमित कुमार वर्मा –संम्पादक मौः–8218049162,8273402499

जननायक सम्राट हिन्दी साप्ताहिक

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित

सम्पादक–अमित कुमार वर्मा

सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा